



उ० प्र० राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि०
(उ० प्र० सरकार का उपक्रम)
शक्ति भवन/शक्ति भवन विस्तार
14, अशोक मार्ग, लखनऊ-226001
CIN:U40101UP1980SGC005065

संख्या : 1166/मा०सं०(04)/उ०नि०लि०/2019-49-मा०सं०(04)/2004

दिनांक : 14 जून, 2019

कार्यालय ज्ञाप

उ०प्र० राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि० में कार्यरत कार्मिकों के स्थानान्तरण के सम्बंध में पूर्व में निर्गत समस्त आदेशों को अवक्रमित करते हुए स्थानान्तरण नीति 2019-2020 के मार्ग दर्शक सिद्धान्त एवं स्थानान्तरण प्रक्रिया एतद्वारा निर्गत की जाती है।

2. उपर्युक्त स्थानान्तरण नीति 2019-2020 के मार्ग दर्शक सिद्धान्त एवं स्थानान्तरण प्रक्रिया तत्काल प्रभावी होंगे तथा अग्रिम आदेशों तक लागू रहेंगे।

संलग्नक : यथोपरि।

निदेशक मण्डल की आज्ञा से

संख्या : 1166 (1)/मा०सं० (04)/उ०नि०लि०/2019, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. प्रबन्ध निदेशक, उ०प्र० राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि०, शक्ति भवन, लखनऊ के निजी सचिव।
2. विशेष सचिव, ऊर्जा अनुभाग-02, उ०प्र० शासन, लखनऊ के निजी सचिव।
3. निदेशक (तकनीकी/वित्त/कार्मिक प्रबन्धन एवं प्रशासन/परि० एवं वाणिज्य), उ०प्र०रा०वि०उ०नि०लि०, शक्ति भवन विस्तार, लखनऊ के निजी सचिव/स्टाफ आफिसर।
4. अधिशासी निदेशक (वित्त), उ०प्र० राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि०, शक्ति भवन विस्तार, लखनऊ।
5. मुख्य अभियन्ता/महाप्रबन्धक, ओबरा/अनपरा/पारीछा/हरदुआगंज/पनकी ताप विद्युत गृह/मा०सं०/वित्त/लेखा/पी०पी०एम०एम०/पर्यावरण एवं सुरक्षा/तापीय परिचालन/ईंधन/जानपद-नव परियोजनायें-1/11/तापीय परिचालन/नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण/वाणिज्य/न्यू कोल ब्लॉक, उ०प्र० राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि०, ओबरा/अनपरा (सोनभद्र)/पारीछा(झाँसी)/कासिमपुर (अलीगढ़)/पनकी (कानपुर)/शक्ति भवन विस्तार, लखनऊ।
6. मुख्य परियोजना प्रबन्धक (प्रगति), उ०प्र०रा०वि०उ०नि०लि०, चतुर्थ तल, नवीन भवन, टी०सी०/46 वी, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 को निगम की वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।
7. अध्यक्ष, विद्युत उत्पादन सेवा आयोग, उ०प्र० राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि०, शक्ति भवन विस्तार, लखनऊ।
8. कम्पनी सचिव, उ०प्र० राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि०, शक्ति भवन विस्तार, लखनऊ को निदेशक मण्डल के सदस्यों द्वारा परिचालन माध्यम से दिनांक 13.06.2019 को पारित प्रस्ताव के सम्बन्ध में।
9. उप महाप्रबन्धक/अधी०अभि०/उप सचिव/अधी०अभि०(मा०सं०-01/02/03/04/05/06)/रिफार्म/टाण्डा वाइडिंग सेल एवं संसदीय कार्य/प्रशिक्षण/तापीय परिचालन/जानपद/औ०सं०, उ०प्र० राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि०, शक्ति भवन विस्तार, लखनऊ।
10. मुख्य लेखाधिकारी/उप मुख्य लेखाधिकारी, ओबरा/अनपरा/पारीछा/हरदुआगंज/पनकी ताप विद्युत गृह, उ०प्र० राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि०, ओबरा/अनपरा(सोनभद्र)/पारीछा(झाँसी)/हरदुआगंज(अलीगढ़)/पनकी (कानपुर)।
11. कार्मिक अधिकारी(औ०सं०), उ०प्र० राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि०, शक्ति भवन विस्तार, लखनऊ।
12. कट फाइल।

आज्ञा से

(आर०एन० श्रीवास्तव)

अधीक्षण अभियन्ता (मा०सं०-04)

उ०प्र० राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि० की स्थानान्तरण नीति 2019-2020 के
मार्गदर्शक सिद्धान्त एवं स्थानान्तरण प्रक्रिया।

उद्देश्य :-

- (क) निगम की परिवर्तनशील आवश्यकताओं को पूर्ण करना।
- (ख) निगम में उपलब्ध जनशक्ति एवं उसकी योग्यताओं का समुचित उपयोग करना।
- (ग) उपलब्ध मानव संसाधन से निगम के विशिष्ट कार्यों/उद्देश्यों की पूर्ति करना।
- (घ) उपलब्ध मानव संसाधन को विकसित करना।
- (ङ) निगम के उद्देश्यों के अनुरूप कार्यरत कार्मिकों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पूर्ति करना।


2- निगम की आवश्यकताओं के साथ-साथ कार्मिकों के विकास हेतु कार्मिकों के स्थानान्तरण मुख्य रूप से निम्न श्रेणियों में वर्गीकृत है :

- (क) निगम में उपलब्ध जन शक्ति का समुचित उपयोग करना।
- (ख) निगम की आवश्यकताओं के अनुरूप परियोजना/इकाई विशेष पर विशिष्ट ज्ञान/अनुभव का उपयोग करना।
- (ग) मानव संसाधन विकास की दृष्टि से कार्मिकों के कार्य में परिवर्तन करना।
- (घ) प्रशासनिक कारणों से कार्मिक विशेष का निगम हित में हटाया जाना।
- (ङ) कार्मिक की व्यक्तिगत समस्याओं को ध्यान में रखते हुए निगम की आवश्यकताओं के अनुरूप जहाँ तक संभव हो उनका समाधान करना।

3- स्थानान्तरण नीति हेतु सभी संवर्गों के कार्मिकों हेतु कुछ सामान्य सिद्धान्त निम्नवत् है :

- 3.1 चतुर्थ श्रेणी के कार्मिकों को छोड़ते हुए कार्मिकों के पदोन्नति पर संवर्ग परिवर्तन पर अथवा उच्चतर पद का कार्यभार प्रदान किये जाने पर साधारणतया परियोजना/ताप विद्युत गृह परिवर्तित किया जायेगा।
- 3.2 विभिन्न पदों हेतु नीचे दिये गये समय सीमा अथवा उपरोक्त 3.1 में दिये गये कारणों के अतिरिक्त प्रशासनिक अथवा कार्मिक के व्यक्तिगत अनुरोध आदि पर आवश्यकतानुसार स्थानान्तरण किया जा सकता है, परन्तु स्थानान्तरण के पश्चात पांच वर्ष से पूर्व उसी स्थान/परियोजना पर तैनाती सामान्यतः नहीं की जायेगी।


(अ) किसी कर्मचारी के व्यक्तिगत अथवा आश्रितों के कारण जैसे चिकित्सा या बच्चों की शिक्षा इत्यादि के आधार पर स्थान रिक्त होने पर एवं दूसरे कर्मचारी के सहमत होने पर स्थानान्तरण अथवा समायोजन किया जा सकता है बशर्ते उस पर कोई प्रशासनिक आपत्ति न हो। यह सिद्धान्त तकनीकी कार्मिकों के सम्बन्ध में लागू करते समय कार्य की प्रकृति एवं गुणवत्ता को ध्यान में रखा जायेगा।


14.06.19

- (ब) मानसिक रूप से विकसित बच्चों के माता पिता की तैनाती प्राधिकृत निगम/सरकारी चिकित्सक का प्रमाण-पत्र प्राप्त कर उनके विकल्प के अनुसार ऐसे स्थानों पर करने का प्रयास किया जायेगा जिसके निकट चिकित्सा की समुचित व्यवस्था हो।
- (स) दिव्यांग कार्मिक अथवा ऐसे कार्मिक, जिनके आश्रित परिवारजन दिव्यांगता से प्रभावित हों, को सामान्य स्थानान्तरण से मुक्त रखे जायेंगे। ऐसे दिव्यांग कार्मिकों के स्थानान्तरण गम्भीर शिकायतों अथवा अपरिहार्य कारणों से किये जायेंगे। दिव्यांग कार्मिक के द्वारा अनुरोध किये जाने पर, पद की उपलब्धता के आधार पर उसे अनुरोधानुसार तैनात करने पर विचार किया जा सकता है।
- (द) अधीक्षण अभियन्ता एवं उच्चतर स्तरों एवं समकक्षों को छोड़कर उन कार्मिकों को, जिनकी सेवानिवृत्ति में दो वर्ष से कम का समय अवशेष हो, उनके द्वारा दिये गये विकल्पों के अनुसार, लखनऊ छोड़कर, यथासंभव तैनाती का प्रयास किया जायेगा।
- (य) समूह 'ग' के कार्मिकों का प्रत्येक 03 वर्ष के उपरान्त पटल परिवर्तन कर दिया जाये।
- 3.3 (अ) स्थानान्तरण नीति के अनुसार कार्मिकों का अन्तर परियोजना/लखनऊ स्थित इकाइयों हेतु स्थानान्तरण कारपोरेट मुख्यालय द्वारा किया जायेगा।
- (ब) स्थानान्तरण नीति के अनुसार परियोजनाओं पर अथवा परियोजना के अंदर स्थानान्तरण हेतु अर्ह कार्मिकों/अधिकारियों को चिन्हित किये जाने के लिये परियोजना पर गठित समिति विचार करेगी। इस परियोजना समिति में परियोजना के प्रमुख, अधिष्ठान प्रमुख एवं वित्त प्रमुख सदस्य होंगे। यह समिति सम्बन्धित स्थानान्तरण सत्र हेतु दिनांक 20 अप्रैल तक परियोजना स्तर पर गठित कर दी जायेगी। समिति परियोजना के अन्दर एवं परियोजना से बाहर स्थानान्तरण के लिए अर्ह कार्मिकों की सूची परियोजना प्रमुख/इकाई प्रमुख को 30 अप्रैल तक उपलब्ध करायेगी जिस पर आवश्यक कार्यवाही परियोजना प्रमुख/इकाई प्रमुख द्वारा की जायेगी। अग्रेतर वर्षों हेतु परियोजना पर स्थानान्तरण हेतु समिति 15 मार्च तक गठित करली जायेगी तथा यह समिति परियोजना के अन्दर एवं परियोजना से बाहर स्थानान्तरण हेतु अर्ह कार्मिकों की सूची 25 मार्च तक परियोजना/इकाई प्रमुख को उपलब्ध करायेगी। अन्तर परियोजना हेतु अर्ह कार्मिकों की सूची परियोजना प्रमुख मुख्य अभियन्ता (मा0सं0) को सम्बन्धित कार्मिकों के कार्य अनुभव का पूर्ण उल्लेख करते हुए अपनी संस्तुति सहित 31 मार्च तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।
- 3.4 स्थानान्तरण किये जाने हेतु अवधि के निर्धारण के लिए कट आफ डेट 31 मार्च मानी जायेगी। वर्तमान स्थानान्तरण सत्र 2019-2020 के लिए स्थानान्तरण 30 जून, 2019 तक किये जायेंगे।
- 3.5 स्थानान्तरित कार्मिकों की संख्या कुल कार्मिकों की संख्या का अधिकतम 20 प्रतिशत होगी। इस स्थानान्तरण में वे स्थानान्तरण सम्मिलित नहीं होंगे जो उ0प्र0 जल-विद्युत निगम लि0/उ0प्र0 पावर कारपोरेशन लि0 से उत्पादन निगम लि0 को अथवा उत्पादन निगम लि0 से इन निगमों को प्रत्यावर्तित किये जायेंगे। साथ ही अन्तर्निगमीय स्थानान्तरणों से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण मानव संसाधन की आपूर्ति करने के लिए उपरोक्त सीमा लागू नहीं होगी।


14.06.19

- 3.6 यदि किसी परियोजना/ताप विद्युत गृह पर ऐसे कार्मिकों की संख्या जिनकी निम्नतर पदों पर कार्य अवधि शामिल करते हुए उस स्थान पर कार्य करने की अवधि नीचे वर्णित अवधि से अधिक हो गई हो, और बिन्दु 3.5 में वर्णित संख्या/प्रतिशत से अधिक हो तो परियोजना/ताप विद्युत गृह पर तैनात वरिष्ठतम कार्मिक को पहले स्थानान्तरित किया जायेगा। परन्तु अन्तर निगमीय स्थानान्तरण से उत्पन्न परिस्थितियों में कार्य की आवश्यकतानुसार तैनाती/स्थानान्तरण किया जा सकेगा।
- 3.7 उपरोक्तानुसार स्थानान्तरण के लिए दिनांक 15 जून तक अर्ह कार्मिकों के स्थानान्तरण हेतु तैनाती विवरण पर निर्धारित प्रारूप में तथा कार्मिकों से तीन विकल्प अनुलग्नक-1 में प्राप्त कर संलग्न करते हुए परियोजना प्रमुख/इकाई प्रमुख निगम मुख्यालय को प्रस्तुत करेंगे। स्थानान्तरण के समय इन विकल्पों पर निगम की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उनकी वरीयता क्रम में विचार किया जायेगा।
- 3.8 सामान्य परिस्थितियों में किसी भी कार्मिक को उसी परियोजना के अन्दर स्थानान्तरण पर पुनः उसी कार्यालय में जहां पर वह पहले कार्य कर चुका है पाँच वर्ष के समय अन्तराल से पहले तैनात नहीं किया जायेगा। अभियन्त्रण संवर्ग में विशेष परिस्थितियों में यथा टरबाइन, कन्ट्रोल एवं इन्स्ट्रुमेंटेशन, इलेक्ट्रिकल, ब्वायलर रोटेटिंग पार्ट्स में यदि पुनः तैनाती किया जाना आवश्यक हो तो प्रबन्ध निदेशक महोदय से अनुमति लेना आवश्यक होगा।
- 3.9 (i) यदि पति/पत्नी में से कोई एक सरकारी सेवा में हो तो निगमकर्मी पति/पत्नी को यथा सम्भव निकटवर्ती परियोजना में तैनात करने हेतु प्रयास किया जाएगा।
(ii) यदि पति/पत्नी दोनों ही निगम की सेवा में हों तो उन्हें यथा सम्भव एक ही परियोजना पर तैनात किये जाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही दम्पति में जो कार्मिक कनिष्ठ पद पर कार्यरत होगा निगम केवल उसके स्थानान्तरण हेतु प्रयास करेगा।
- 3.10 निजी अनुरोध पर किये जाने वाले स्थानान्तरण पर सम्बन्धित कार्मिकों को यात्रा भत्ता अनुमन्य नहीं होगा। केवल कार्य भार ग्रहण काल नियमानुसार अनुमन्य होगा।
- 3.11 रोकी गई सत्यनिष्ठा के कार्मिकों को अनुरक्षण एवं कार्य/क्रय मण्डलों में तैनात नहीं किया जायेगा।
- 3.12 यदि किसी कार्मिक को पिछले पाँच वर्षों में दो निन्दा प्रविष्टी या एक बृहद दण्ड दिया गया हो तो उसे भी अनुरक्षण एवं कार्य/क्रय मण्डलों में तैनात नहीं किया जायेगा। उक्त पाँच वर्षों की गणना स्थानान्तरण समय से पूर्व के पाँच वर्षों से की जायेगी।
- 3.13 उत्पादन निगम लि० के अन्तर्गत लखनऊ मुख्यालय की विभिन्न इकाइयों में तैनात अधिकारी स्थानान्तरण हेतु गृह जनपद के प्रतिबन्धों से सामान्यतः मुक्त रहेंगे।
- 3.14 समूह "क" एवं "ख" के अधिकारियों को उनके गृह जनपद स्थित परियोजनाओं पर तैनात नहीं किया जायेगा। यह प्राविधान अनपरा तापीय परियोजना एवं ओबरा तापीय परियोजना के सम्बन्ध में लागू नहीं होंगे।
- 3.15 निगम द्वारा मान्यता प्राप्त यूनियनों/एसोसिएशनों के केन्द्रीय कार्यकारणी के अध्यक्ष तथा महासचिव उनके कार्यकाल (टर्म) हेतु स्थानान्तरण से अवमुक्त रहेंगे। यदि स्थानान्तरण किया जाना अपरिहार्य हो तो इसका पूर्वानुमोदन प्रबन्ध निदेशक से प्राप्त किया जायेगा।


14.06.19